

---

# Dharmakrita Shiva Stuti

---

## धर्मकृता शिवस्तुतिः

---

### Document Information

---

Text title : Dharmakrita Shiva Stuti

File name : shivastutiHdharmakRRitA.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mAheshvarAkhyah prathamAMshaH | adhyAyaH 25 -  
kailAsavarNane vRiSha(kRita)stutiH | 34-39||

Latest update : December 17, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

धर्मकृता शिवस्तुतिः



धर्मः (वृषभः) -

दक्षपक्षकृतशिक्ष महोक्षोद्वाहिताक्षितिलकासुरवीक्षम् ।  
कुक्षिगाखिलजगद्गतधाक्षिः पक्षिवाहसुतकायविलक्षम् ॥ ३४ ॥

भूमिमण्डलतलातिगमूलं कोलरूपहरिणा न विलोकि ।  
अञ्जजाण्डजगती विवदेते पादमौलिकलने तव शम्भो ॥ ३५ ॥

सिन्धूनिषङ्गं वृषभं तुरङ्गं महाङ्गचर्माम्बरमुद्यताङ्गम् ।  
इन्दूत्तमाङ्गं हरये रथाङ्गं भूते महोक्षाङ्गतं हृदक्षगम् ॥ ३६ ॥

--

स्कन्दः -

इत्थं स्तौति महादेवं धर्मो वृषवपुर्धरः ।  
स एव धर्मो देवेशं वहत्यत्यन्तभासुरः ॥ ३७ ॥

प्राच्यां तद्गोपुरवरं प्राकारगणपैर्वृतः ।  
पाति तद्देवदेवस्य स्मरहन्तुश्च शासनात् ॥ ३८ ॥

श्रीमत्कैलासशृङ्गे शिववरगणपैस्सिन्धुरास्यानुगैश्च  
कौमारैर्गणपैर्वृषेन्द्रगणपै रुद्रैस्समन्ताद्भृतम् ।

निखिलजगदधीन्द्रैर्विष्णुना देवसङ्घै  
श्रुतिगणमुनिवर्यैश्चिन्तितुं चाक्षमन्तत् ॥ ३९ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते माहेश्वराख्ये धर्म(वृष)कृता शिवस्तुतिः ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । माहेश्वराख्यः प्रथमांशः । अध्यायः २५ - कैलासवर्णने वृष(कृत)स्तुतिः  
। ३४-३९ ॥

Notes:

Skanda स्कन्द narrates eulogy to Śiva शिव by Vṛṣabha वृषभ (Dharma धर्म), while describing about Vṛṣabha's residence towards the Eastern region of Mount Kailāsa कैलास शैल, that has predominance of Topaz - viz. Puṣparāga पुष्पराग.

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

*Dharmakṛita Shiva Stuti*

pdf was typeset on December 17, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

